Literacy for a Billion

Movie: Padosan
Year: 1968

Song: Bhai battur bhai battur
Lyricist: Rajendra Krishan

भाई बत्तूर
भाई बत्तूर
अब जाएँगे कितनी दूर

भाई बत्तूर
भाई बत्तूर
अब जाएँगे कितनी दूर
नाज़ुक नाज़ुक मेरी जवानी
चलने से मजबूर

हो हो हो ...

भाई बत्तूर
भाई बत्तूर
अब जाएँगे कितनी दूर
नाज़ुक नाज़ुक मेरी जवानी
चलने से मजबूर

डर लागे क्या होगा
पीछे कोई चोर लगा होगा

डर लागे क्या होगा
पीछे कोई चोर लगा होगा
हाँ छोटी उमरिया
सफ़र बड़ा
मैं थक कर हो गई चूर

हो
भाई बत्तूर
भाई बत्तूर
अब जाएँगे कितनी दूर
नाज़ुक नाज़ुक मेरी जवानी
चलने से मजबूर

आ ...
अँगड़ाई जब आए
हुस्न मेरा क्यों इतराए
आ...
ओ...
अँगड़ाई जब आए
हुस्न मेरा क्यों इतराए
ओ... आईना देखूँ
और सोचूँ
क्या हो गई मैं मग़रूर

हो
भाई बत्तूर
भाई बत्तूर
अब जाएँगे कितनी दूर
नाज़ुक नाज़ुक मेरी जवानी
चलने से मजबूर

चाल चलूँ इठलाके

बिन सोचे बलखाके
चाल चलूँ इठलाके
बिन सोचे बलखाके
हाँ
छाई जवानी ऐसे जैसे
नदिया हो भरपूर

हो
भाई बत्तूर
भाई बत्तूर
अब जाएँगे कितनी दूर
नाज़ुक नाज़ुक मेरी जवानी
चलने से मजबूर

हो हो हो ...
भाई बत्तूर
भाई बत्तूर
अब जाएँगे कितनी दूर
नाज़ुक नाज़ुक मेरी जवानी
चलने से मजबूर

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.